भारतीय स्टेट बैंक के बारे में

वर्ष 1806 में बैंक ऑफ कलकत्ता के रूप में स्थापित भारत का सबसे पहला बैंक बाद में भारतीय स्टेट बैंक के रूप में निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। 200 वर्षों से अधिक की समृद्ध परंपरा वाला यह भारतीय उप-महाद्वीप का पहला वाणिज्यिक बैंक राष्ट्र की हजार खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के सशक्तीकरण और इसकी विशाल जनसंख्या की आकांक्षाओं की पूर्ति में निरंतर सेवारत है।

भारतीय स्टेट बैंक परिसंपत्तियों, जमाराशियों, शाखा, ग्राहक और कर्मचारी संख्या में देश का सबसे बड़ा वाणिज्यिक बैंक है। यह करोड़ों ग्राहकों के निरंतर विश्वास के साथ आज हर भारतीय का बैंक है।

भारतीय स्टेट बैंक का मुख्यालय मुंबई में स्थित है और यह अपनी विभिन्न शाखाओं और आउटलेटों, संयुक्त उद्यमों तथा अनुषंगियों के माध्यम से व्यक्तिगत ग्राहकों, वाणिज्यिक उद्यमों, बड़े कॉरपोरेटों, सार्वजनिक निकायों और संस्थात्मक ग्राहकों को विभिन्न प्रकार के उत्पाद एवं सेवाएं उपलब्ध कराता है।

लक्ष्य

अग्रसर भारत का सर्वप्रिय बैंक बनना

ध्येय

सरल, उत्तरदायी, और अभिनव वित्तीय समाधान देने के लिए प्रतिबद्ध

मूल्य

सेवा
पारदर्शिता
सदाचार
शिष्टता
निरंतरता

भारतीय स्टेट बैंक की उपलब्धिपूर्ण यात्रा

भारत का सबसे बड़ा बैंक (जमाराशियाँ, अग्रिम, ग्राहकों की संख्या और बैंकिंग सेवा केंद्र)

संख्या (करोड़ में)

ग्राहक **42.42**

%

बाजार अंश:

जमाराशियाँ **22.84**

अग्रिम **19.92**

संख्या

कुल शाखाएं **22,414**

संख्या

देश भर में एटीएम, सीडीएम और रीसाइकलर **59,541**

संख्या

व्यवसाय प्रतिनिधि सेवा केंद्र **58,274**

%

वैकल्पिक चैनल वाले लेनदेनों का अंश **80.00**

%

पीओएस की संख्या में बाजार अंश **20.20**

%

डेबिट कार्ड से किए जाने वाले खर्च में बाजार अंश **30.40**

संख्या (करोड़ में)

वित्तीय समावेशन खाते **13.42**

राशि (₹ करोड़ में)

वित्तीय समावेशन जमाराशियाँ **23,982**

संख्या (करोड़ में)

वित्तीय समावेशन लेनदेन **31.22**

गृह ऋण

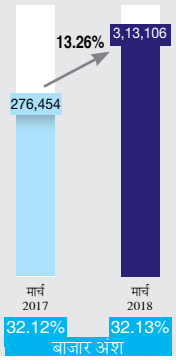

ऑटो ऋण

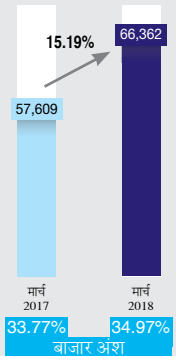

वैयक्तिक खंड के अन्य ऋण

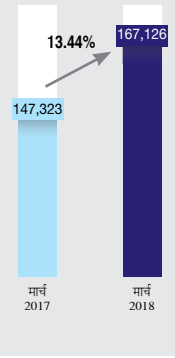

अग्रसर भारत को गति देने के लिए प्रतिबद्ध

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में हम 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' के मंत्र में दृढ़ विश्वास रखते हैं। हम आगे बढ़ते भारत की आने वाली आवश्यकताओं की पूर्ति में अग्रसर हैं और चिरस्थायी मूल्य सृजन की ओर अग्रसर होने में अदम्य प्रतिबद्धता हमारी मार्गदर्शक है।

भारत एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुज़र रहा है। व्यवसाय की सुगमता (इज़ ऑफ बिजनेस), बड़े कर सुधार, वित्तीय समायोजन, सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा, व्यापक डिजिटलीकरण, आधारभूत ढांचे का व्यापक विस्तार तथा निर्माण क्षेत्र की वृद्धि, बहुत से परिवर्तन कारकों में से कुछ कारक हैं। इसके साथ-साथ इस समय देश में सुदृढ़ वित्तीय स्थितियाँ, स्थिर मुद्रास्फीति, बढ़ते व्यापार और सतत रोजगार सृजन, स्थायी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को आगे बढ़ाने में सहायक है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि विश्वभर की निगाहें हमारे देश पर हैं।

मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने कोर व्यवसाय को मजबूत करने के लिए कार्यनीतिक निवेश किया है। पिछले 5 वर्षों में हमने एसबीआई को अधिकतम परिचालन दक्षता तथा 'प्रसन्न ग्राहक' के साथ तकनीकी रूप से उन्नत सार्वभौमिक संस्थान बनाने के लिए अनेक पहलें की हैं।

आज इन परिवर्तन पहलों ने एसबीआई को अत्यधिक प्रतियोगी तथा अपने व्यापक ग्राहक आधार के लिए उपयुक्त स्थान बनाया है। इस परिप्रेक्ष्य में हम अपनी संवृद्धि के माध्यम से बेहतर मूल्य सृजन के लिए आदर्श स्थिति में हैं। अपने परिचालनों को उत्कृष्टता के उच्चतम स्तरों तक ले जाकर हम इसे प्राप्त करना चाहते हैं, चाहे यह उधार देने का निष्पादन हो, आस्ति गुणवत्ता में सुधार हो, हमारी लाभकारिता को बढ़ाना हो और अंततः पूंजी संरचना वृद्धि व धन संपदा (वेल्थ) सृजन है।

इन प्रयासों को बल देने के लिए संपूर्ण मॉनिटरिंग तथा नियंत्रण ढाँचे की स्थापना और प्रतिबद्ध कार्यदल की शक्ति के बल पर हमने अपनी अधिसंरचना को मजबूती प्रदान की है। इसे समर्थन देने के लिए हमने अपने जोखिम प्रबंधन में सुधार तथा संवृद्धि को गति प्रदान करने के लिए अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं की पुनर्रचना की है। अपनी ऋण बही की गुणवता में सुधार के लिए हम लगातार अपनी ऋण कार्यनीतियों की पुनर्रचना कर रहे हैं।

> भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रतिनिधि के रूप में हम इसका और अधिक प्रतीक बनाने के लिए हम भारतीय अर्थव्यवस्था में लौच तथा स्थायी स्पंदन विकसित कर रहे हैं।

तकनीकी उन्नयन का उपयोग लगातार बैकएंड (ग्राहक से आमने सामने व्यवहार न करने वाली) प्रक्रियाओं व दक्ष ग्राहक सेवा सुपुर्दगी चैनलों दोनों के किए किया जा रहा है। साथ ही साथ जोखिम प्रबंधन के उच्चतम मानकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, नैतिकता तथा अभिशासन सदैव हमारे हितधारकों के हितों की रक्षा करते है। इस उन्नत ढाँचे के माध्यम से हमने स्थायी दीर्घकालीन संवृद्धि के लिए सुदृढ़ आधारशिला रखी है तथा हम लगातार अधिक पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धी लागत तथा नवोन्मेष संचालित संगठन की ओर बढ़ रहे हैं।

अपने सहयोगी बैंकों के साथ विलय के बाद उच्चतम मानकों तथा साथ-साथ बेहतर सीनिर्जिक निष्पादन के लिए एकल बहु-परिचालनों के लाभ के स्पष्ट संकेत मिलने लगे हैं। बड़े स्तर पर परिचालन, श्रेष्ठ कार्यपद्धतियों को साझा करने तथा समान (कॉमन) लागतों को तर्कसंगत बनाने से सार्थक बचत की अपेक्षा है। इससे टिकाऊ मूल्य सृजन के मिशन को और बल मिलेगा।

हम भविष्य के प्रति आशान्वित हैं। एसबीआई द्वारा भारत में अब तक के सबसे बड़े क्यूआईपी की सफलता हमारे निवेशकों तथा हमारी पूंजी जुटाने की उच्च क्षमता का प्रमाण है। क्यूआईपी में विविध प्रकार के गुणवत्ता निवेशकों ने भाग लिया। इसके आगे एसबीआई लाइफ के आरंभिक पब्लिक प्रस्ताव (आईपीओ) ने महत्वपूर्ण मूल्य खोज की ओर ले गया तथा आने वाले समय में मूल्य सृजन के लिए सुदृढ़ संभावना के साथ भविष्य के उद्योग-लीडर्स पैदा करने व उन्हें आगे बढ़ाने की बैंक की क्षमता का मजबूत संकेत है।

बैंक व्यापक स्तर पर समाज के सहयोग के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है। हम सभी आय वर्ग के लोगों की संवृद्धि तथा आर्थिक प्रगति में सहायक उत्तरदायित्वपूर्ण वित्तीय सेवाएँ उपलब्ध कराकर अपने सभी हितधारकों के लिए विश्वसनीय सहभागी के रूप में सेवा देना जारी रखेंगे। नोटबंदी तथा कर सुधारों के माध्यम से वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) लागू करने जैसे हाल ही में सरकार द्वारा किए गए उपायों के माध्यम से देखे गए प्रमुख परिवर्तन सुधारों के दौरान बैंक गुणवत्ता संवृद्धि की राह पर अच्छे खिलाड़ी के रूप में उभरा है।

अपनी बैंकिंग लीडरशिप की मजबूती के लिए तकनीकी उन्नयन को शामिल करना

परिवर्तनशील भारत डिजिटल प्रेमी है तथा उसे बैंकिंग उद्योग से बहुत अपेक्षाएँ है। हम स्थायी, विश्वसनीय तथा तकनीकी समाधान विकसित, स्थापित व बनाये रखने तथा ग्राहक संतुष्टि को अधिकतम करने व मूल्य सृजन के लिए प्रतिबद्ध हैं।

“

हम तकनीकी सक्षम बैकएंड परिचालनों द्वारा समर्थित डिजिटलीकृत संगठन में परिवर्तित होने के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

600 आधार अंक
पिछले वर्ष की तुलना में डिजिटल बैंकिंग में संवृद्धि

37%
कुल लेनदेनों में डिजिटल लेनदेनों का अंश

1.96 मिलियन
मर्चेन्ट भुगतान स्वीकृति टच बिंदु

भारत डिजिटल परिवर्तन के दौर से गुज़र रहा है तथा नवोन्मेष व तकनीकी अपनाने की गति को बढ़ाने का साक्षी बन रहा है। डिजिटल अर्थव्यवस्था के बढ़ने के साथ-साथ बैंक भी तकनीकी उन्नयन की प्रगति में आगे बढ़ रहा है और स्वयं को आगे रखते हुए बहु-चैनल प्लेटफॉर्मों में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। अपनी डिजिटल पहलों के परिणामस्वरूप हमने अपने डिजिटल लेनदेनों में अपने हिस्से को बढ़ाया है। वर्ष के दौरान डिजिटल लेनदेन के कुल प्रतिशत में हमारा हिस्सा 600 आधार अंक बढ़ा है।

वित्त वर्ष 2018 के दौरान, हमने अपने डिजिटल अभियान के अभिन्न अंग के रूप में एकल-चैनल डिजिटल प्लेटफॉर्म YONO शुरू किया। सभी B2C (व्यवसाय से ग्राहक) मार्किट स्थल को शामिल करके अपने ग्राहकों की बैंकिंग व जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने की सुविधा देने वाला भारत का पहला पूर्णतः डिजिटल सेवा प्लेटफॉर्म है। बैंकिंग सेवाओं के अलावा, इस अनुप्रयोग (एप्लिकेशन) में अन्य वित्तीय उत्पादों, जैसे निवेश, बीमा तथा क्रेडिट कार्ड को शामिल किया गया है।

इस अग्रणी उत्पाद का विकास नवीनतम डिजिटल तकनीकों का उपयोग करके किया गया है।

हम स्वयं को प्रौद्योगिकी सक्षम बैकएंड परिचालन द्वारा समर्थित डिजिटलकृत संगठन में बदलने की दिशा में प्रतिबद्ध हैं। उपभोक्ता से सीधे आमना-सामना करने वाले परिचालनों के डिजिटलीकरण के साथ-साथ, दक्षता में सुधार, परिचालन की लागत को कम करने और राजस्व बढ़ाने वाली भूमिकाओं में कर्मचारियों की पुनः तैनाती के लिए हमने अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं के स्वचालन में निवेश करना जारी रखा हैं।

एक सर्वव्यापी डिजिटल परिवर्तन से हम अपनी परिचालन संस्कृति में अनेक तकनीकों को एकीकृत और अवशोषित करने के लिए अत्यधिक प्रेरित हैं।

ब्लॉक शृंखला, मशीन ज्ञानार्जन, कृत्रिम बुद्धि और आईओटी जैसी आधुनिक प्रौद्योगिकियों की संभाव्यता और उत्पादकता को उनके डेटा और विश्लेषण के आधार के रूप में बैंक द्वारा मान्यता दी गई है। बेहतर ग्राहक जुड़ाव, बैंक की उत्पादकता बढ़ाने और कर्मचारियों को सशक्त करने के लिए इन प्रौद्योगिकियों के लाभों का उपयोग करने और फायदा उठाने लिए उत्कृष्टता के केंद्र, अवधारणा के प्रमाण तथा फिनटेक कंपनियों और विक्रेताओं के साथ एक सहयोगी और निश्चित समयबद्ध योजना बनाई गई है। अपने कर्मचारियों को तकनीकी मोर्चे पर अद्यतन रखने के लिए हम लगातार प्रशिक्षण दे रहे हैं और इससे वे आकांक्षा भरे और परिवर्तनशील भारत को आधुनिक बैंकिंग प्रदान करने में सक्षम होते हैं।

कुशल जोखिम प्रबंधन के माध्यम से, आस्ति गुणवत्ता और प्रक्रियाओं में प्रगतिशील वृद्धि

बदलते भारत की अपेक्षाओं को पूरा करने में सक्षम बनने के लिए हमें सर्वोत्तम जोखिम प्रबंधन प्रथाओं के साथ मजबूत बैंक बनना होगा। आगे बढ़ते हुए, पुरानी तनावग्रस्त आस्तियों के समाधान के लिए परिश्रमपूर्वक काम करते हुए हम जोखिम आकलन व प्रबंधन में विश्वसनीय प्रगति कर रहे हैं।

“

हमारा मानना है कि ऋण आकलन की हमारी कठोर प्रक्रियाएँ लंबी अवधि की टिकाऊ गुणवत्ता के विकास और बेहतर शेयरधारक रिटर्न का मुख्य कारक होंगी।

भारतीय बैंकिंग उद्योग के विकास के लिए तनावग्रस्त आस्तियां सबसे बड़ी चुनौती रही हैं। एसबीआई में, हम इन चुनौतियों से परिचित हैं तथा अपनी बहियों में आस्तियों की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने संपत्ति चयन के लिए तकनीकी रूप से उन्नत आकलन (अंडरराइटिंग) पद्धतियों को अपनाकर नई हानि को रोकने के लिए बहुपक्षीय दृष्टिकोण अपनाया है। हमारा मानना है कि हमारी कठोर ऋण आकलन प्रक्रियाएँ दीर्घकालिक टिकाऊ गुणवत्ता वृद्धि और बेहतर शेयरधारक प्रतिलाभ का मुख्य चालक होंगी। इसके अलावा, हम प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के माध्यम से संभावित हानि को रोकने और उससे बचने के लिए अपनी जोखिम निगरानी और मूल्यांकन तकनीकों को मजबूत कर रहे हैं।

यह सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है कि हमारे व्यापारिक परिचालन निर्धारित प्रक्रियाओं और नियामक आवश्यकताओं का पूरी तरह से अनुपालन करें। समय के साथ, हमने नियामक मानकों और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप एक मजबूत जोखिम प्रबंधन मॉडल विकसित किया है।

हमारे पूरे पोर्टफोलियो में, व्यवस्थित रूप से जोखिमों के मापन, मूल्यांकन, निगरानी और प्रबंधन के लिए नीतियाँ और प्रक्रियाएँ मौजूद हैं। व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करके हमने पूरे संगठन में जोखिम और अनुपालन संस्कृति के विकास के लिए पहल की है।

हम यह सुनिश्चित करने के लिए कि नई संस्था भली भांति जोखिम-मुक्त हो, हम सक्रिय रूप से पुराने ऋण मुद्दों की पहचान और उनका समाधान कर रहे हैं। इसके अलावा, हमारी तनावग्रस्त आस्तियों का एक बड़ा हिस्सा विभिन्न समाधान प्रक्रियाओं में है। ये अंतिम समाधान हमारी आस्ति गुणवत्ता मानदंडों को अर्थपूर्ण ढंग से बेहतर बनाएंगे, और ऋण बढ़ोतरी तथा संवृद्धि का रास्ता खोलेंगे।

एसबीआई में, हम बैंकिंग प्रणाली को कुशल और विश्वसनीय बनाने की दिशा में सक्रिय रहे हैं, जो अनिवार्य रूप से हमारे देश के मजबूत आर्थिक विकास के लिए एक पूर्वशर्त है।

हितधारकों के लिए भावी मूल्य सृजन हेतु मूल्यवान व्यवसाय की सृजन क्षमता।

“

राष्ट्र की वित्तीय प्रणाली में हमारी स्थिति हमें वित्तीय ईकोसिस्टम में बड़े और लाभप्रद व्यावसायिक मॉडल बनाने में सक्षम बनाती है।

समय-समय पर पूंजी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ वैश्विक जोखिम मानदंडों को पूरा करने की कार्यनीति के हिस्से के रूप में बैंक ने चुनिंदा सहायक कंपनियों की हिस्सेदारी में आंशिक विनिवेश करके कुछ संपत्तियों के मुद्रीकरण का लक्ष्य रखा है।

वर्ष के दौरान, हमने अत्यधिक सफल प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से एसबीआई लाइफ में अपनी हिस्सेदारी के एक भाग का विनिवेश किया। पिछले सात वर्षों में सबसे बड़े सार्वजनिक प्रस्ताव के रूप में, 3 अक्टूबर 2017 को सूचीबद्ध होने के समय, नव व्यवसाय प्रीमियम (एनबीपी) के मामले में एसबीआई ने वित्त वर्ष 2010 से हर वर्ष भारत की सबसे बड़ी निजी जीवन बीमा कंपनी बनाने में उल्लेखनीय प्रतिभा प्रदर्शित की है।

एसबीआई ने एसबीआई लाइफ के आईपीओ में ₹ 70,000 करोड़ की अपनी 8% हिस्सेदारी बेची, जिससे एसबीआई अपनी संवृद्धि के समर्थन हेतु पूंजी जुटाने में सक्षम हुआ। यह आईपीओ, संस्था निर्माण और मूल्य खोज में एसबीआई की क्षमताओं का मजबूत प्रमाण है।

इसी प्रकार की बैंक की अनेक सहायक कंपनियाँ हैं जो भविष्य के मूल्य देने की क्षमता रखती हैं। पिछले कुछ वर्षों में, बैंक ने अपनी सहायक कंपनियों और गैर-कोर आस्तियों में निवेश के माध्यम से व्यवसाय में मूल्य सृजन किया है। ये गैर-कोर आस्तियां देश के वित्तीय बाजारों के बुनियादी ढांचे के लिए आधार हैं।

₹67,825 करोड़
31 मार्च, 2018 को एसबीआई लाइफ की बाजार पूंजी

62.10%
एसबीआई लाइफ में बैंक की वर्तमान हिस्सेदारी

₹5,436 करोड़
आईपीओ के माध्यम से एसबीआई लाइफ के 8% हिस्से को बेचकर उगाही

बदलते भारत को केवल बैंकिंग संस्थान ही नहीं बल्कि मजबूत वित्तीय संस्थानों की आवश्यकता है। कई गैर-बैंकिंग सहायक अनुषंगियों का स्वामित्व और प्रबंधन एसबीआई के पास है। ये कंपनियां अपने अधिकार क्षेत्र में अग्रणीय (लीडर) हैं। हम मानते हैं कि वित्त वर्ष 2018 में एसबीआई लाइफ में आंशिक विनिवेश तथा उसके बाद के आईपीओ के समान ही हम इन व्यवसायों से भारी मूल्य प्राप्त (अनलॉक) करने में सक्षम होंगे।

संरचित कौशल विकास के माध्यम से, अपनी मानव पूंजी की संभावित अनलॉकिंग।

> हम अपने प्रयासों को कौशल विकास तथा रोजगार की जानकारी बढ़ाने वाले लगातार प्रशिक्षण की ओर ले जा रहे हैं।

कर्मचारी हमारी सबसे मूल्यवान संपत्ति हैं और उनकी क्षमता को पोषित करना व्यावसायिक उत्कृष्टता तथा बदलते भारत की मांगों को पूरा करने का मूल है। बैंक की लाभप्रदता और दक्षता में सुधार के लिए, हमारा चिंतन भी अपनी उत्पादकता में सुधार की दिशा में हैं। हम अपने प्रयासों को कौशल विकास तथा जॉब की जानकारी बढ़ाने वाले लगातार प्रशिक्षण की ओर ले जा रहे हैं। इससे हमें उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान करने तथा लक्षित प्रदर्शन प्राप्त करने की शक्ति प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। इस संबंध में, हमने बैंक के वरिष्ठ कार्यपालकों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कोलकाता में एक अत्याधुनिक संस्थान "स्टेट बैंक इंस्टीट्यूट ऑफ लीडरशिप" (एसबीआईएल) की स्थापना की है।

इसके अलावा, हमारे पास एक मजबूत व्यापक प्रशिक्षण प्रणाली भी विद्यमान है, जो बैंक के सभी कर्मचारियों की प्रशिक्षण आवश्यकता पूरी करती है और उन्हें उद्योग में आगे रहने के लिए तैयार करती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि बैंक की प्रशिक्षण प्रणाली प्रशिक्षण की बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप हैं, अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ क्रेडिट, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, जोखिम, विपणन, ग्रामीण बैंकिंग, आईटी, लीडरशिप तथा मानव संसाधन के क्षेत्रों में विशेषीकृत आंतरिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना की गई है।

वर्ष के दौरान, हमने पुरस्कार व मान्यता योजना लागू की जिसमें उच्च निष्पादन करने वालों को पुरस्कृत किया जाता है। निष्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों को भी तर्कसंगत बनाया गया है तथा अपनी प्रगति का पता लगाने के लिए सभी कर्मचारियों को डैशबोर्ड उपलब्ध कराया गया है।

पदानुक्रम में नेतृत्व पाइपलाइन विकसित करने के लिए हमारा बल संभावित लीडरों की पहचान तथा उनके विकास में निवेश करना है। इसके अतिरिक्त, सुव्यवस्थित भर्ती प्रक्रिया के कारण अधिकारियों और सहयोगियों की औसत आयु घट रही है। बैंक का उद्देश्य, संपूर्ण मानवशक्ति को इष्टतम स्तर पर बनाए रखते हुए लाभ और लागत अनुमानों के आधार पर युवाओं को शामिल करना है। चूंकि भारतीय अर्थव्यवस्था परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, हम नवाचार और ज्ञान के मार्ग पर अधिक स्फूर्ति से आगे बढ़ रहे हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हम भारत की परिवर्तन की यात्रा के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।

50 घंटे
प्रति कर्मचारी औसत प्रशिक्षण मानव-घंटे

बदलते भारत को अपनी आकांक्षाएं पूरी करने के लिए आधुनिक और सक्षम संस्थानों की आवश्यकता है। एसबीआई के लिए, इसका अर्थ है कि हमारे कर्मचारियों में सुदृढ़ क्षमताएँ तथा मूल्य आधारित संस्कृति हो। हम पूरे संगठन में लगातार नैतिकता और मूल्य आधारित संस्कृति को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, यह हमारी कार्यनीति और प्रक्रियाओं के मूल में है।

स्थायी संवृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने के लिए संचालक परिवर्तन

बदलते भारत की सेवा करने में सक्षम होने के लिए, हमें मजबूत और उच्च निष्पादन करने वाला बैंक बनने के लक्ष्य हेतु एक सुदृढ़ आत्ममंथन संस्कृति की आवश्यकता है। अपनी नई आंतरिक बजट प्रक्रियाओं के साथ, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे व्यवसाय के हर पहलू से हमारे ग्राहक सेवा स्तर, हमारे जोखिम प्रबंधन और शेयरधारकों के लाभ को अधिकतम किया जा सके। इस परिणाम उन्मुख अनुशासन से हम भारत के बदलाव को उत्प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

"

जोखिम समायोजित अधिकतम प्रतिफल पर ध्यान केंद्रित कर हमने अपनी बजट प्रक्रियाओं को पूरी तरह से संशोधित किया है।

एसबीआई में, हम जोखिम समायोजित लाभ के साथ-साथ ग्राहक केंद्रित बजटिंग की एक सुदृढ़ संस्कृति तैयार कर रहे हैं। जोखिम समायोजित प्रतिफल के आधार पर अपने व्यवसाय को चलाने के पीछे हमारा इरादा अधिकतम प्रतिलाभ, जोखिम न्यूनीकरण व पूंजी संरक्षण की दिशा में आगे बढ़ना है।

यह परिवर्तन, यह जाँचने की पूर्व-आवश्यकता है कि क्या चारों ओर चुनौतियों से जूझता बैंकिंग क्षेत्र दबाव में रह कर दक्षता और लाभप्रदता के मानकों के साथ कार्य कर सकता है। हमने प्रमुख मानदंडों पर लक्ष्य निर्धारित करके अपनी बजट प्रक्रिया को पुनः व्यवस्थित किया है। हमारे दक्षता मानकों में अन्य चीजों के अलावा मध्यम अवधि के लिए आस्तियों पर प्रतिलाभ; इक्विटी पर प्रतिलाभ; लागत-आय अनुपात; निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम); क्रेडिट-जमा अनुपात शामिल है। व्यावसायिक इकाइयों से भी अपेक्षित है कि वे भी जोखिम भारित आस्तियों पर प्रतिलाभ पर ध्यान केंदित करें। परिभाषित कार्यनीतियों के साथ हमारा प्रयास मध्यम अवधि के दौरान प्रत्येक मानदंड पर सकारात्मक परिणाम लाने का है।

एसबीआई समूह संरचना

31 मार्च, 2018 को

गैर- बैंकिंग अनुषंगियाँ / संयुक्त उद्यम

- 100% एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि.
  - एसबीआई कैप सिक्युरिटीज लि.
  - एसबीआई कैप वेंचर्स लि.
  - एसबीआई कैप (यू के लि.)
  - एसबीआई कैप ट्रस्टीज कंपनी लि.
  - एसबीआई कैप (सिंगापुर लि.)
- 69.04% एसबीआई डीएफएचआई लि.
- 100% एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.
- 86.18% एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लि.
- 60% एसबीआई पेंशन फंड्स प्रा. लि.
- 63% एसबीआई फंड्स मैनेजमैंट प्रा. लि.
  - एसबीआई फंडस मैनेजमैंट (इंटरनेशनल) प्रा. लि .
- 74% एसबीआई कार्ड्स एण्ड पेमेंट्स सर्विसेज प्रा. लि.
- 62.10% एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि.
- 65% एसबीआई- एसजी ग्लोबल सिक्युरिटीज सर्विसेस प्रा. लि.
- 74% एसबीआई बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट सर्विसेस प्रा. लि.
- 74% एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि .
- 49% सी-एज टेक्नोलोजीज लि.
- 45% मैकवेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि.
  - मैकवेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्रा. लि.
- 45% एसबीआई मैकवेरी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि.
- 45% एसबीआई मैकवेरी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टीज प्रा. लि.
- 50% ओमान इंडिया ज्याइंट इन्वेस्ट्मेंट फंड मैनेजमैंट कंपनी प्रा. लि.
- 50% ओमान इंडिया ज्याइंट इन्वेस्टमेंट फंड-ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.
- 100% एसबीआई फाउंडेशन
- 100% एसबीआई इंफ्रा मैनेजमैंट सॉलूशन्स प्रा. लि.
- 30% जियो पेमेंट्स बैंक लि.

स्वामित्व हिस्सेदारी का %

विदेशी बैंकिंग अनुषंगियाँ/संयुक्त उद्यम

- 100% स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (केलिफोर्निया)
- 100% एसबीआई कनाडा बैंक
- 60% सीआईबीएल - मास्को
- 96.60% एसबीआई मॉरिशस लि.
- 99% बैंक एसबीआई इंडोनेशिया
- 55.37% नेपाल एसबीआई बैंक लि.
- 100% बैंक एसबीआई बोत्सवाना लि.
- 20% बैंक ऑफ भूटान लि.
- 8.86% स्टर्लिंग बैंक पीएलसी
- 19.50% कुकुज परियोजना विकास कंपनी

विदेशी गैर-बैंकिंग अनुषंगी

- 99.99% एसबीआई सर्विकोस लिमिटाडा, ब्राज़ील

पिछले 10 वर्षों का वित्तीय प्रदर्शन

	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18
देयताएं										
पूंजी (करोड़ ₹)	635	635	635	671	684	747	747	776	797	892
आरक्षित निधियां एवं अधिशेष (करोड़ ₹)	57,313	65,314	64,351	83,280	98,200	1,17,536	1,27,692	1,43,498	187,489	2,18,236
जमाराशियां (करोड़ ₹)	7,42,073	8,04,116	9,33,933	10,43,647	12,02,740	13,94,409	15,76,793	17,30,722	20,44,751	27,06,344
उधारियां (करोड़ ₹)	53,713	1,03,012	1,19,569	1,27,006	1,69,183	1,83,131	2,05,150	3,23,345	3,17,694	3,62,142
अन्य (करोड़ ₹)	1,10,698	80,337	1,05,248	80,915	95,404	96,927	1,37,698	1,59,276	1,55,235	1,67,138
कुल (करोड़ ₹)	9,64,432	10,53,414	12,23,736	13,35,519	15,66,211	17,92,748	20,48,080	23,57,617	27,05,966	34,54,752
आस्तियां										
निवेश (करोड़ ₹)	2,75,954	2,85,790	2,95,601	3,12,198	3,50,878	3,98,800	4,81,759	5,75,652	7,65,990	10,60,987
अग्रिम (करोड़ ₹)	5,42,503	6,31,914	7,56,719	8,67,579	10,45,617	12,09,829	13,00,026	14,63,700	15,71,078	19,34,880
अन्य आस्तियां (करोड़ ₹)	1,45,975	1,35,710	1,71,416	1,55,742	1,69,716	1,84,119	2,66,295	3,18,265	3,68,898	4,58,885
कुल (करोड़ ₹)	9,64,432	10,53,414	12,23,736	13,35,519	15,66,211	17,92,748	20,48,080	23,57,617	27,05,966	34,54,752
निवल ब्याज आय (करोड़ ₹)	20,873	23,671	32,526	43,291	44,329	49,282	55,015	57,195	61,860	74,854
एनपीए के लिए प्रावधान (करोड़ ₹)	2,475	5,148	8,792	11,546	11,368	14,224	17,908	26,984	32,247	70,680
परिचालन परिणाम (करोड़ ₹)	17,915	18,321	25,336	31,574	31,082	32,109	39,537	43,258	50,848	59,511
कर-पूर्व निवल लाभ (करोड़ ₹)	14,181	13,926	14,954	18,483	19,951	16,174	19,314	13,774	14,855	-15,528
निवल लाभ (करोड़ ₹)	9121	9,166	8,265	11,707	14,105	10,891	13,102	9,951	10,484	-6,547
औसत आस्तियों से आय (%)	1.04	0.88	0.71	0.88	0.97	0.65	0.68	0.46	0.41	-0.19
ईक्विटी से आय (%)	15.07	14.04	12.84	14.36	15.94	10.49	11.17	7.74	7.25	-3.78
आय की तुलना में व्यय (%) (निवल आय की तुलना में परिचालन व्यय)	46.62	52.59	47.6	45.23	48.51	52.67	49.04	49.13	47.75	50.18
प्रति कर्मचारी लाभ (000 ₹)	474	446	385	531	645	485	602	470	511	-243
प्रति शेयर आय (₹)	143.77	144.37	130.16	184.31	210.06	156.76	17.55	12.98	13.43	-7.67
प्रति शेयर लाभांश (₹)	29	30	30	35	41.5	30	3.5	2.60	2.60	निरंक
एसबीआई शेयर (एनएसई में मूल्य) (₹)	1,067.10	2,078.20	2,765.30	2,096.35	2,072.75	1,917.70	267.05	194.25	293.40	249.90
लाभांश भुगतान अनुपात %(₹)	20.19	20.78	23.05	20.06	20.12	20.56	20.21	20.28	20.11	लागू नहीं
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)										
बासेल-II (₹ करोड़ में)	85,393	90,975	98,530	1,16,325	1,29,362	1,45,845	1,54,491	1,81,800	2,06,685	2,34,056
बासेल-II (%)	14.25	13.39	11.98	13.86	12.92	12.96	12.79	13.94	13.56	12.74
टियर I (₹ करोड़ में)	56,257	64,177	63,901	82,125	94,947	1,12,333	1,22,025	1,35,757	1,56,506	1,84,146
टियर I (%)	9.38	9.45	7.77	9.79	9.49	9.98	10.1	10.41	10.27	10.02
टियर II (₹ करोड़ में)	29,136	26,798	34,629	34,200	34,415	33,512	32,466	46,043	50,179	49,910
टियर II (%)	4.87	3.94	4.21	4.07	3.43	2.98	2.69	3.53	3.29	2.72
बासेल-III (₹ करोड़ में)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	1,40,151	1,46,519	1,75,903	2,04,731	2,38,154
बासेल-III (%)						12.44	12	13.12	13.11	12.60
टियर I (₹ करोड़ में)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	1,09,547	1,17,157	1,33,035	1,61,644	1,95,820
टियर I (%)						9.72	9.6	9.92	10.35	10.36
टियर II (₹ करोड़ में)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	30,604	29,362	42,868	43,087	42,334
टियर II (%)						2.72	2.4	3.20	2.76	2.24
निवल अग्रिमों की तुलना में निवल एनपीए (%)	1.79	1.72	1.63	1.82	2.1	2.57	2.12	3.81	3.71	5.73
देश में शाखाओं की संख्या	11,448	12,496	13,542	14,097	14,816	15,869	16,333	16,784	17,170	22,414
विदेश-स्थित शाखाओं/कार्यालयों की संख्या	92	142	156	173	186	190	191	198	195	206

*22 नवंबर 2014 से बैंक के शेयर के अंकित मूल्य को 10 रुपए प्रति शेयर से 1 रुपया प्रति शेयर किया गया। वर्ष 2014-15 से आँकड़ें 1 रुपए प्रति शेयर और शेष पिछले वर्ष के लिए 10 रुपए प्रति शेयर के अनुसार हैं।

रेटिंग्स

31 मार्च 2018 को

	रेटिंग	रेटिंग एजेंसी
बैंक रेटिंग	बीएए 2/पी-2/स्टेबल बीबीबी-/ स्टेबल/ए-3 बीबीबी-/एफ़ 3/ स्टेबल	मूडीस एस एण्ड पी फिच

₹ मूल्यवर्ग में लिखत

नवोन्मेषी बेमियादी ऋण लिखत	एएए/ स्टेबल केयर एएए	क्रिसिल केयर
नवोन्मेषी बेमियादी ऋण लिखत	एएए/ स्टेबल केयर एएए	क्रिसिल केयर
निम्नतर टियर II गौण ऋण	एएए/ स्टेबल केयर एएए (आईसीआरए) एएए	क्रिसिल केयर आईसीआरए
बेसल III टियर II	एएए/स्टेबल केयर एएए/स्टेबल (आईसीआरए) एएए (एचवाईबी) (स्टेबल)	क्रिसिल केयर आईसीआरए
बेसल III एटी 1 नवोन्मेषी बेमियादी ऋण	क्रिसिल 'एए +/स्टेबल' "केयर एए+'	क्रिसिल केयर

केयर : क्रेडिट एनालिसिस एण्ड रिसर्च लिमिटेड
आईसीआरए : आईसीआरए लिमिटेड
क्रिसिल : क्रिसिल लिमिटेड
एस एंड पी : स्टेंडर्ड एण्ड पुअर

केंद्रीय निदेशक बोर्ड

31 मार्च 2018 को

श्री रजनीश कुमार
अध्यक्ष

श्री बी. श्रीराम
प्रबंध निदेशक

श्री पी. के. गुप्ता
प्रबंध निदेशक

श्री दिनेश कुमार खारा
प्रबंध निदेशक

श्री संजीव मल्होत्रा
शेयरधारक निदेशक

श्री भास्कर प्रमाणिक
शेयरधारक निदेशक

श्री बसंत सेठ
शेयरधारक निदेशक

डॉ. गिरीश के. अहूजा
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

डॉ. पुष्पेंद्र रॉय
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

डॉ. पूर्णिमा गुप्ता
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

श्री राजीव कुमार
सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग,
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

श्री चंदन सिन्हा
अपर निदेशक, सीएएफआरएएल
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

अध्यक्ष
श्री रजनीश कुमार

प्रबंध निदेशक
श्री बी. श्रीराम
श्री पी. के. गुप्ता
श्री दिनेश कुमार खारा

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(ग) के अंतर्गत निर्वाचित निदेशक
श्री संजीव मल्होत्रा
श्री भास्कर प्रमाणिक
श्री बसंत सेठ

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(घ) के अंतर्गत निदेशक
डॉ. गिरीश के. अहूजा
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय
डॉ. पूर्णिमा गुप्ता

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(ङ) के अंतर्गत निदेशक
श्री राजीव कुमार

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(च) के अंतर्गत निदेशक
श्री चंदन सिन्हा

बोर्ड की समितियां
(31 मार्च 2018 को)

केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति (ईसीसीबी)
अध्यक्ष, **श्री रजनीश कुमार**

प्रबंध निदेशक
श्री बी. श्रीराम, श्री पी. के. गुप्ता और
श्री दिनेश कुमार खारा

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(च) के अंतर्गत नामित निदेशक (भारतीय रिजर्व बैंक के नामिती), अर्थात **श्री चंदन सिन्हा, और सभी या अन्य कोई निदेशक जो सामान्यत:** भारत में हो रही बैठक-स्थल के निवासी या बैठक के समय उस स्थान पर उपस्थित रहे ।

बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति (एसीबी)
डॉ. गिरीश के. अहूजा, स्वतंत्र निदेशक - समिति के अध्यक्ष
श्री भास्कर प्रमाणिक, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
श्री बसंत सेठ, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
श्री राजीव कुमार, भारत सरकार के नामित निदेशक - सदस्य
श्री चंदन सिन्हा, आरबीआई के नामित निदेशक - सदस्य
श्री बी. श्रीराम, प्रबंध निदेशक - सीएण्डजीबी -सदस्य (पदेन)
श्री दिनेश कुमार खारा, प्रबंध निदेशक - आर,आईटीएण्डएस - सदस्य (पदेन)

बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी)
श्री संजीव मल्होत्रा, स्वतंत्र निदेशक - समिति के अध्यक्ष
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
श्री भास्कर प्रमाणिक, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
श्री बसंत सेठ, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
श्री बी. श्रीराम, प्रबंध निदेशक - सीएण्डजीबी -सदस्य (पदेन)
श्री दिनेश कुमार खारा, प्रबंध निदेशक - आर,आईटीएण्डएस - सदस्य (पदेन)

बोर्ड की सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति समिति (आईटीएससी)
श्री भास्कर प्रमाणिक, स्वतंत्र निदेशक - समिति के अध्यक्ष
श्री संजीव मल्होत्रा, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
डॉ. पूर्णिमा गुप्ता, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
श्री बी. श्रीराम, प्रबंध निदेशक - सीएण्डजीबी -सदस्य (पदेन)
श्री दिनेश कुमार खारा, प्रबंध निदेशक - आर,आईटीएण्डएस - सदस्य (पदेन)

बड़ी राशि की धोखाधड़ी की निगरानी करने के लिए बोर्ड की विशेष समिति (एससीबीएमएफ)
श्री बसंत सेठ, स्वतंत्र निदेशक - समिति के अध्यक्ष
श्री भास्कर प्रमाणिक, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
डॉ. गिरीश के. अहूजा, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
श्री संजीव मल्होत्रा, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
श्री पी. के. गुप्ता, प्रबंध निदेशक - आरएण्डडीबी - सदस्य (पदेन)
श्री दिनेश कुमार खारा, प्रबंध निदेशक - आर,आईटीएण्डएस - सदस्य (पदेन)

बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति (सीएससीबी)
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, स्वतंत्र निदेशक - समिति के अध्यक्ष
श्री संजीव मल्होत्रा, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
डॉ. गिरीश के. अहूजा, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
श्री भास्कर प्रमाणिक, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
श्री बसंत सेठ, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
डॉ. पूर्णिमा गुप्ता, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
श्री बी. श्रीराम, प्रबंध निदेशक - सीएण्डजीबी - सदस्य (पदेन)
श्री पी. के. गुप्ता, प्रबंध निदेशक - आरएण्डडीबी - सदस्य (पदेन)

बोर्ड की हितधारक संबंध समिति (एसआरसी)
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, स्वतंत्र निदेशक - समिति के अध्यक्ष
श्री संजीव मल्होत्रा, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
डॉ. गिरीश के. अहूजा, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
डॉ. पूर्णिमा गुप्ता, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
श्री पी. के. गुप्ता, प्रबंध निदेशक - आरएण्डडीबी - सदस्य (पदेन)
श्री दिनेश कुमार खारा, प्रबंध निदेशक - आर,आईटीएण्डएस - सदस्य (पदेन)

बोर्ड की पारिश्रमिक समिति (आरसीबी)
श्री राजीव कुमार, भारत सरकार के नामिती निदेशक - सदस्य (पदेन)
श्री चंदन सिन्हा, आरबीआई नामिती निदेशक - सदस्य (पदेन)
श्री बसंत सेठ, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
डॉ. गिरीश के. अहूजा, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

बोर्ड की नामांकन समिति
डॉ. गिरीश के. अहूजा, स्वतंत्र निदेशक - समिति के अध्यक्ष
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, स्वतंत्र निदेशक - समिति के अध्यक्ष
श्री चंदन सिन्हा, आरबीआई नामिती निदेशक - सदस्य (पदेन)

बोर्ड की वसूली निगरानी समिति (बीसीएमआर)
श्री रजनीश कुमार - अध्यक्ष
श्री बी. श्रीराम, प्रबंध निदेशक - सीएण्डजीबी - सदस्य (पदेन)
श्री पी. के. गुप्ता, प्रबंध निदेशक - आरएण्डडीबी - सदस्य (पदेन)
श्री दिनेश कुमार खारा, प्रबंध निदेशक - आर,आईटीएण्डएस - सदस्य (पदेन)
श्री राजीव कुमार, भारत सरकार के नामिती निदेशक - सदस्य (पदेन)

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व समिति (सीएसआर)
श्री पी. के. गुप्ता, प्रबंध निदेशक - आरएण्डडीबी - समिति के अध्यक्ष
श्री दिनेश कुमार खारा, प्रबंध निदेशक - आर,आईटीएण्डएस - सदस्य (पदेन)
श्री संजीव मल्होत्रा, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, स्वतंत्र निदेशक - समिति के अध्यक्ष
श्री भास्कर प्रमाणिक, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
श्री बसंत सेठ, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य
डॉ. पूर्णिमा गुप्ता, स्वतंत्र निदेशक - सदस्य

इरादतन चूककर्ता/असहयोगी ऋणियों के निर्धारण हेतु समीक्षा समिति
श्री बी. श्रीराम, प्रबंध निदेशक - (सीएण्डबीजी) - समिति के अध्यक्ष
बैंक के अन्य दो स्वतंत्र निदेशक

केंद्रीय प्रबंधन समिति के सदस्य

दिनांक 31 मार्च 2018 को

श्री रजनीश कुमार
अध्यक्ष

श्री बी. श्रीराम
प्रबंध निदेशक
(कॉरपोरेट एवं ग्लोबल बैंकिंग)

श्री पी. के. गुप्ता
प्रबंध निदेशक
(रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग)

श्री दिनेश कुमार खारा
प्रबंध निदेशक
(जोखिम, आईटी एवं अनुषंगियां)

श्री सुनील श्रीवास्तव
उप प्रबंध निदेशक
(कॉरपोरेट लेखा समूह)

श्री अरिजीत बसु
उप प्रबंध निदेशक
(कॉरपोरेट लेखा समूह)

श्री सिद्धार्थ सेनगुप्ता
उप प्रबंध निदेशक
(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह)

श्रीमती अंशुला कांत
उप प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य वित्त अधिकारी

डॉ. एम. एस. शास्त्री
उप प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य जोखिम अधिकारी

श्री जे. पकरीसामी
उप प्रबंध निदेशक
(मिड कॉरपोरेट ग्रुप)

श्री मृत्युंजय महापात्र
उप प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य सूचना अधिकारी

श्री शेखर कर्णम
उप प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य ऋण अधिकारी

श्री सी. वेंकट नागेश्वर
उप प्रबंध निदेशक
(ग्लोबल मार्केट्स)

श्री पल्लव महापात्र
उप प्रबंध निदेशक
(तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह)

श्री बी. सी. दास
उप प्रबंध निदेशक
(निरीक्षण एवं लेखा-परीक्षा)

श्री नीरज व्यास
उप प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य परिचालन अधिकारी

श्री प्रशांत कुमार
उप प्रबंध निदेशक (मा. सं.) एवं
कॉरपोरेट विकास अधिकारी

श्रीमती पद्मजा चुंदुरु
उप प्रबंध निदेशक
(डिजिटल बैंकिंग एवं नव व्यवसाय)

श्री के. वी. हरिदास
उप प्रबंध निदेशक
(रिटेल व्यवसाय)

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 21 (1) (क) के अंतर्गत अध्यक्ष द्वारा नामित स्थानीय बोर्डों के सदस्य, प्रबंध निदेशक (रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग) से भिन्न

31.03.2018 को

अहमदाबाद
श्री दुखबंधु रथ
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

अमरावती
श्री मणि पालवेसन
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

बेंगलूरु
श्री एस. एम. फारूकी साहब
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

भोपाल
श्री के. टी. अजित
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

भुवनेश्वर
श्रीमती प्रवीणा काला
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

चंडीगढ़
श्री अनिल किशोरा
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

चेन्नई
श्री बी. रमेश बाबु
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

गुवाहाटी
श्री पी.वी.एस.एल.एन. मूर्ति
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

हैदराबाद
श्री स्वामीनाथन जे.
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

जयपुर
श्री विजय रंजन
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

कोलकाता
श्री पार्थ प्रतीम सेनगुप्ता
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

लखनऊ
श्री गौतम सेनगुप्ता
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री बसंत सेठ*

मुंबई
श्री अजय कुमार व्यास
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री संजीव मल्होत्रा*

नई दिल्ली
श्री आलोक कुमार चौधरी
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री भास्कर प्रमाणिक*
डॉ. गिरीश के अहूजा*
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय*
डॉ. पूर्णिमा गुप्ता*

पटना
श्री संदीप तिवारी
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

तिरुवनंतपुरम
श्री एस. वेंकटरमन
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

* भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 21 (1) (ख) के अनुसार स्थानीय बोर्डों में नामित केंद्रीय बोर्ड के निदेशक

बैंक के लेखा-परीक्षक

मेसर्स वर्मा एण्ड वर्मा
कोच्चि

मेसर्स चतुर्वेदी एण्ड शाह
मुंबई

मेसर्स रे एण्ड रे
कोलकाता

मेसर्स एस.के मित्तल एण्ड कंपनी
नई दिल्ली

मेसर्स राव एण्ड कुमार
विशाखापट्टनम

मेसर्स ब्रहम्य्या एण्ड कंपनी
चेन्नई

मेसर्स चटर्जी एण्ड कंपनी
कोलकाता

मेसर्स मनुभाई एण्ड शाह एलएलपी
अहमदाबाद

मेसर्स बंसल एण्ड कं
नई दिल्ली

मेसर्स मित्तल गुप्ता एण्ड कंपनी
कानपुर

मेसर्स एम. भास्कर राव एण्ड कंपनी
हैदराबाद

मेसर्स अमित रे एण्ड कंपनी
इलाहाबाद

मेसर्स एल एल छाजेड़ एण्ड कंपनी
भोपाल

मेसर्स जीएसए एण्ड एसोसिएट्स
नई दिल्ली